कन्याकुमारी से कश्मीर तक की उम्मीद यात्रा

प्रतिभा शुक्ल

नई दिल्ली, 19 जुलाई। देश में आपसी सद्भाव, जनस्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा व युवा विकास जैसे मुद्दों को लेकर कन्याकुमारी से कश्मीर तक आशा यात्रा की जाएगी। यह पदयात्रा स्वामी विवेकानंद के जन्म शताब्दी वर्ष में 12 जनवरी को शुरू की जाएगी। यात्रा के अगुआ मुमताज अली बताते हैं कि विवेकानंद शिला से शुरू हो देश के 12 राज्यों से होते हुए यह छह हजार किलोमीटर की यात्रा कश्मीर के लाल चौक पर खत्म होगी। इसके तहत जहां गांवों, शहरों व बस्तियों में जाकर लोगों को इन मसलों पर जागरूक करके मानव एकता का संदेश दिया जाएगा वहीं उनके अनुभवों, दिक्कतों, चुनौतियों का संकलन किया जाएगा। ताकि सरकारी निकायों पर उसके हिसाब से फैसले करने व नीतियां बनाने का दबाव बनाया जा सके।

मुमताज का मानना है कि देश की मूल आत्मा सर्वधर्म सद्भाव की है। यह ही देश की आध्यात्मिक प्रगति का आधार रहा है। लेकिन समय-समय पर राजनीतिक स्वार्थों के लिए इसे सांप्रदायिक दंगों व सामाजिक झगड़ों की ओर धकेल दिया जाता है। यह बेगुनाह लोगों की मौत का कारण बनता है। देश की भौतिक व आध्यात्मिक ही नहीं हर उन्नति में बाधक बनता है। इसलिए देश के लोगों को जागरूक, सक्षम और सहिष्णु बनाना आज के समय की फौरी जरूरत है।

वे कहते हैं कि मानव के विकास का मसला हो या खुशहाली का या फिर कोई और तरक्की, सभी के मूल में यात्रा है। यात्रा शंकराचार्य से लेकर विवेकानंद व गांधी तक ने की थी। इसलिए देश को मानव एकता के सूत्र में पिरोने के लिए यह आशा यात्रा शुरू करने की योजना बनाई है। हिमालय की कंदराओं से लेकर देश-विदेश तक भ्रमण कर चुके मुमताज अली बताते हैं कि इस यात्रा में 35 यात्री स्थायी रूप से होंगे। इनमें महिलाएं भी होंगी। इसके अलावा लोग जुड़ते जाएंगे। पूरी यात्रा में एक करोड़ भारतीयों तक पहुंचा जाएगा। हर दिन 15 से 20 किलोमीटर तक की दूरी तय की जाएगी। जहां रात हो जाएगी उसी गांव या शहर में ठहर जाएंगे, जो गांव वालों से मिल जाएगा वही खा लेंगे। यात्रा में केवल एक एंबुलेंस, जरूरी दवाएं व एक-दो टेंट होंगे। ताकि दिक्कत होने पर जरूरतमंद यात्री की मदद हो सके।

गांवों में सत्संग किया जाएगा। सत्संग से उन्हें सरकारी तंत्र का उपयोग करने, दिक्कतों से बचने के गुर सिखाने के अलावा समाज व देश के प्रति योगदान के कर्तव्यों के प्रति सचेत करने की कोशिश व सार्थक संवाद किया जाएगा। सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं की जाएंगी। वेद वेदांत सहित तमाम धर्मग्रंथों का अध्ययन कर चुके अली बताते हैं कि मानव एकता व आध्यात्मिक प्रगति ही सभी के मूल में है। इसी को ध्यान में रख उन्होंने मानव एकता मिशन की स्थापना की है। एम्स के सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष डाक्टर चंद्रकांत एस पांडव व अन्य ऐसे तमाम साथियों का सहयोग लिया जाएगा जो स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के हिसाब से लोगों व सेवाओं के बीच कड़ी के तौर पर काम करेंगे। आंकड़े जुटाए जाएंगे।

वे बताते हैं कि शिक्षा की मौजूदा हालत का जायजा लिया जाएगा। इसकी चुनौतियों को दूर करने के लिए स्थानीय निकायों व संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया जाएगा। लोगों को सीधे सरकारी तंत्र से जुड़ने को प्रेरित किया जाएगा। मुसलिम समुदाय के शिक्षा के प्रारूप को बदलने की वकालत की जाएगी। मदरसे की शिक्षा से काम नहीं होगा। चाहे मदरसे के शिक्षण प्रारूप को बदला जाय या फिर मुख्यधारा की शिक्षा, उसमें सभी कौम के सहजीवन को बढ़ावा देने की वकालत की जाएगी। महिला सशक्तीकरण के लिए जनमानस बदलना सबसे अहम काम है। इसके लिए भी तरह-तरह से कोशिश की जाएगी। तमाम योजनाओं की उन्हें जानकारी दी जाएगी व स्थानीय जरूरतों को हिसाब से उनके लिए क्या होना चाहिए इसका दस्तावेजीकरण भी किया जाएगा। वे कहते हैं कि भ्रष्टाचार हर समस्या के मूल में है। लोगों के जरिए ही इस पर अंकुश लगाने की कवायद की जाएगी। लोग जितने जागरूक होंगे उतनी ही यह समस्या हल होगी। इसके साथ ही फालोअप पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।

दिल्ली में आज

सभा-संगोष्ठी

प्रभाष परंपरा न्यास : प्रभाष प्रसंग व्याख्यान और एकल संगीतमय नाट्य प्रस्तुति, सत्याग्रह मंडप गांधी स्मृति दर्शन समिति, राजघाट शाम चार बजे से

प्रदर्शनी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : हिमालय पर कला प्रदर्शनी, आर्ट गैलरी, कमलादेवी ब्लाक, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 40 मैक्समूलर मार्ग, पूर्वाह्न 11 बजे, 23 जुलाई तक।

विविध

राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय : फिल्म महात्मा का प्रदर्शन, आडिटोरियम, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय राजघाट शाम बजे से।